भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2597
बुधवार, दिनांक 11 दिसम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>सौर ऊर्जा परियोजनाओं की प्रभावकारिता</u>

2597. श्री चरनजीत सिंह चन्नीः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पंजाब में मौजूदा सौर ऊर्जा परियोजनाओं की प्रभावकारिता और स्थानीय समुदायों पर उनके प्रभाव का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या पराली जलाने से संबंधित पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने के लिए पंजाब में बायोमास ऊर्जा परियोजानाओं हेतु वित्त पोषण में वृद्धि करने की कोई योजना/प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार पंजाब में नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के उपयोग में वृद्धि करने के लिए निजी क्षेत्र के साथ भागीदारी करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्तमान सौर विद्युत परियोजनाओं की प्रभावकारिता का मूल्यांकन एक सतत प्रक्रिया है। सौर विद्युत परियोजनाओं के स्थानीय समुदायों पर पड़ने वाले प्रभावों में भूमि पट्टा किराया, स्थानीय रोजगार सृजन आदि के रूप में मौद्रिक लाभ शामिल हैं।

(ख) सरकार ने नवम्बर, 2022 में दिनांक 31.03.2026 तक की अवधि के लिए राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम अधिसूचित किया है। यह कार्यक्रम पंजाब राज्य सहित देश भर में केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करके बायोमास से संबंधित परियोजनाओं जैसे कम्प्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) संयंत्र, गैर-बगास सह-उत्पादन संयंत्र और ब्रिकेट/पेलेट विनिर्माण संयंत्रों की स्थापना में सहयोग करता है। ये बायोमास संयंत्र धान की पराली सहित कृषि अवशेषों का अपने फीडस्टॉक के रूप में उपयोग करते हैं। अब तक पंजाब राज्य में इस कार्यक्रम के तहत 16 परियोजनाएँ चालू की जा चुकी हैं।

इसके अलावा, जुलाई, 2024 में सरकार ने पंजाब राज्य सहित देश भर में गैर-टोरिफाइड और टोरिफाइड पैलेट के विनिर्माण के लिए सीएफए को बढ़ाकर क्रमशः 21 लाख रुपये/एमटीपीएच या प्रति एमटीपीएच पूंजीगत लागत का 30 प्रतिशत और 42 लाख रुपये/एमटीपीएच या प्रति एमटीपीएच पूंजीगत लागत का 30 प्रतिशत किया है।

(ग) पंजाब राज्य सहित देश में अधिकांश अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं निजी निवेश के माध्यम से विकसित की जाती हैं।

*****